अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | बुधवार 07 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

10 लाख कीमत की प्रतिबंधित मछली के साथ हंडिया पुलिस ने ट्रक सहित तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

हंडिया/प्रयागराज। हंडिया कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टोल प्लाजा पर हंडिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बंगाल से पानीपत जा रही एनजीटी द्वारा प्रतिबंधित थाई मांगुर से भरी ट्रक नंबर "4 67 8777 के साथ तीन अभियुक्तों को दबोच लिया है।जब अभियुक्तों से कागजात के बारे में पूछा गया तो उनके पास कोई साक्ष्य नही होने पर हंडिया पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक में थाई मांगुर के 3 लाख पीस जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है।जिसके बाद हंडिया पुलिस ने आम जनता से दूर ले जाकर कुसरी गांव के समीप ओवर ब्रिज के नीचे मछली को नष्ट किया।

जिला मत्स्य अधिकारी एस आर यादव ने बताया कि यह मछली बहुत ही खतरनाक है ये मांसाहारी होती है और इसको खाने से मनुष्य को ब्रेन कैंसर होने का खतरा होता है जिसके कारण एनजीटी के द्वारा इस मछली के पालन और व्यापार पर प्रतिबंध लगाया गया है। गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त महेश प्रसाद साव ,अजीबुर्रहमान और नूरजमान जो कि कोलकाता के रहने वाले हैं और बंगाल से मछली लादकर पानीपत जा रहे थे

बड़ा होगा मोदी मंत्रिपरिषद का विस्तार, हटाए जा सकते हैं कुछ मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार शाम को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार करने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त करने के साथ यह साफ हो गया है कि यह फेरबदल और विस्तार काफी बड़ा होगा, जिसमें लगभग डेढ़ दर्जन नए मंत्रियों को तो शामिल किया ही जाएगा, साथ ही कुछ पुराने चेहरों को हटाया भी जा सकता है। मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं को सूचना भी दी जाने लगी है। इसके चलते ज्योतिरादित्य सिंधिया, सर्वानंद सोनोवाल, नारायण राणे, जदयू नेता आरसीपी सिंह जैसे प्रमुख नेता दिल्ली पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में होने वाला यह पहला मंत्रिपरिषद विस्तार होगा। सरकार दो साल पूरे कर चुकी है और इस दौरान उसे कोरोनावायरस की महामारी से भी लंबे समय तक जूझना पड़ा है। खासकर कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से सरकार की छवि पर भी असर पड़ा है। ऐसे में मंत्रिपरिषद विस्तार में प्रधानमंत्री सामाजिक समीकरणों, सहयोगी दलों को साधने, आने वाले चुनावों की रणनीति के साथ इस बात का भी ध्यान रखेंगे जिससे

कि सरकार की छवि बेहतर हो सके। ऐसे में मंत्रिपरिषद में नए और युवा चेहरों को ज्यादा जगह मिल सकती है।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते एक माह में अपने सभी मंत्रियों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की है। इसके चलते लगभग आधा दर्जन मंत्रियों पर गाज भी कर सकती है। साथ ही लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की संभावना है, जिनमें लगभग आधा दर्जन कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। जिन प्रमुख नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है उनमें ज्योतिरादित्य सिंधिया, सर्बानंद सोनोवाल, नारायण राणे प्रमुख है। जिन नए चेहरों की चर्चा है उनमें बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी, उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद अजय मिश्रा, सकलदीप राजभर, विनोद सोनकर, महाराष्ट्र भाजपा के सांसद कपिल पाटील, हिना गावित, उड़ीसा से आने वाले सांसद अश्विनी वैष्णव, मध्य प्रदेश की लोकसभा सांसद संध्या राय व हरियाणा की सांसद सुनीता दुग्गल शामिल है। इस विस्तार में भाजपा सहयोगी दलों को भी मजबूती से अपने साथ करना चाहेगी। जदयू ने साफ किया कि वह सरकार में शामिल होने जा रही है और सब कुछ तय हो गया है। जद यू से आरसीपी सिंह समेत तीन से चार मंत्री बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा अपना दल से अनुप्रिया पटेल, लोजपा के पशुपति पारस, निषाद पार्टी के प्रवीण निषाद (भाजपा सांसद) को भी जगह मिल सकती है।मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ बैठक की थी। जिससे खिलाफ चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है और इसका विरोध किया है। गौरतलब है कि लोजपा में हाल में टूट हुई थी और पशुपतिनाथ पारस ने छह में से 5 ससदों के साथ संसद में नेता बन गये थे। बाद में उन्होंने खुद को लोजपा का अध्यक्ष भी घोषित कर दिया था। जबकि लोजपा के पहले से अध्यक्ष चले आ रहे चिराग पासवान ने अपने नेतृत्व वाली पार्टी को असली लोजपा करार दे रहे हैं।

परिसीमन आयोग से नहीं मिलने के ऐलान के चंद घंटों बाद ईडी ने महबूबा मुफ्ती की मां को भेजा नोटिस, पीडीपी नेता बोलीं- डराने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिसीमन आयोग की कार्यवाही से दूर रहने की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के अपने फैसले की घोषणा करने के कुछ ही घंटों बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की मां को 14 जुलाई को तलब किया है। महबूबा ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर नोटिस साझा किया है, जिसके मुताबिक उनकी मां गुलशन नजीर को केंद्रीय जांच एजेंसी के श्रीनगर स्थित कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है।

धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज आपराधिक मामला ईडी द्वारा महबूबा के एक कथित सहयोगी के परिसर में मारे गये छापे में बरामद हुई दो डायरी से संबद्धित है। महबूबा ने हैरानी जताई है कि उनकी मां को नोटिस ऐसे दिन जारी किया गया ,जब पीडीपी ने परिसीमन आयोग से नहीं मिलने का फैसला किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ईडी के समन को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, ''ईडी ने मेरी मां को अज्ञात आरोपों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए तलब किया है। राजनीतिक विरोधियों को डराने की कोशिश के तहत भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों तक को नहीं बख्श रही है। एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) और ईडी जैसी एजेंसियां अब बदला लेने का औजार बन गई हैं। पार्टी ने परिसीमन आयोग के पास संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार नहीं होने का दावा करते हुए उससे नहीं मिलने का फैसला किया, जिसके कुछ ही घंटे बाद यह नोटिस जारी किया गया। बता दें कि परिसीमन आयोग के दौरे को लेकर पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती ने एक पत्र जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि पीडीपी परिसीमन आयोग को यह पत्र भेज रही है। लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए कोई आधारभूत कार्य नहीं किया गया है। राजनीतिक गतिविधि के लिए कोई विश्वसनीय कदम नहीं उठाए गए हैं। जिसको देखते हुए परिसीमन आयोग की बैठक में पीडीपी शामिल नहीं होगी। पीडीपी महासचिव जीएन हंजुरा द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में जम्मू-कश्मीर के लोगों के हितों को ठेस पहुंचाने के लिए परिसीमन आयोग के अभ्यास को पूर्व नियोजित होने का आरोप लगाया गया है।

कांवड़ यात्रा पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से बात के बाद उत्तराखंड सरकार का यू-टर्न

देहरादून (एजेंसी)। हरिद्वार में प्रतिबंध की गई कांवड़ यात्रा पर अब नए सिरे से पुनर्विचार किया जाएगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सीएम पुष्कर धामी के बीच हुई बात के बाद सरकार ने यू टर्न ले लिया है।

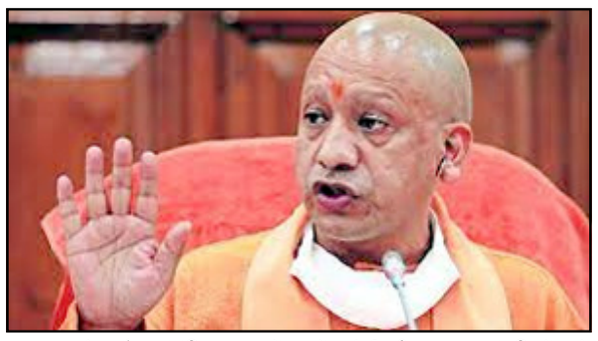

मंगलवार पूर्वाह्न पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा को लेकर सात राज्यों के पुलिस अफसरों की बैठक हुई, जिसमें यूपी व हिप्र के अफसरों ने प्रत्यक्ष जबकि अन्य राज्यों के अफसरों ने आनलाइन के जरिए बैठक में हिस्सा लिया। सरकार ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर 30 जून को कांवड़ यात्रा स्थगित रखने के आदेश किए थे। बैठक में इस आदेश को कड़ाई से

लागू करने और संबंधित राज्यों से अपेक्षा की गई की वे कांवड़ यात्रा हत्तोसाहित करने के लिए प्रचार प्रसार करें। बैठक में यूपी, दिल्ली, हरियाणा, हिप्र, राजस्थान, चंडीगढ़ व इंटेलीजेंस ब्यूरो के अफसरों ने हिस्सा लिया। पहले बैठक में तय हुआ कि सरकार के आदेश के क्रम में कोई भी राज्य कांवडियों को हरिद्वार न आने दें। इसके लिए उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बल भी तैनात करने का निणऱ्य लिया गया।

सूत्रों ने बताया कि दोपहर बाद यूपी के सीएम योगी की मुख्यमंत्री धामी से हुई बात हुई, इसके बाद यात्रा पर पुनर्विचार की बात कही गई। उधर, डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि अभी पूर्व आदेश के क्रम में तैयारियां की गई है और संबंधित राज्यों के अफसरों का वह्टएप ग्रुप भी बनाया गया, ताकि सभी में समन्वय बना रहे। बैठक का संचालन आईजी (इंटेलीजेंस) संजय गुंज्याल ने किया।हरिद्वार में इस बार कांवड़ यात्रा 23 जुलाई से छह अगस्त तक होनी थी। पिछले वर्ष भी कोरोना संक्रमण के चलते यात्रा प्रतिबंधित की गई थी, लेकिन इस दौरान छुट पुट संख्या में कांवडि़ए आते रहे। वहीं, पुलिस रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2019 में तीन करोड़ लोग कांवड़ लेने पहुंचे। कांवड़ यात्रा पुलिस के लिए चुनौती बन सकती है। राज्य में बाहर से ट्रेनें और बसों का संचालन नियमित रूप से है।

पंजाब कांग्रेस संकटः कैप्टन अमरिंदर से मिलने से पहले सोनिया गांधी से मिलीं प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की है। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी के बीच यह मुलाकात पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ होने वाली बैठक से पहले हुई है। दरअसल, पंजाब कांग्रेस में कलह के बीच कैप्टन अमरिंदर आज दिल्ली में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने वाले हैं। सोनिया गांधी के साथ बैठक के लिए कैप्टन अमरिंद पंजाब से दिल्ली के लिए रवाना भी हो गए हैं। इससे पहले पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने बीते बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के साथ लंबी बैठक की थी। माना जा रहा है कि इन बैठकों में कांग्रेस आलाकमान की ओर से सिद्धू को पार्टी या संगठन में सम्मानजनक स्थान की पेशकश के साथ मनाने का प्रयास किया गया। मालूम हो कि इस सप्ताह की शुरुआत में नवजोत सिंह सिद्धू ने नई दिल्ली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। पंजाब कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी दिल्ली में चार दिनों तक राहुल गांधी के साथ मैराथन बैठकें की थीं।

पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में आंतरिक संकट पार्टी के सामने एक चुनौती है। संकट को हल करने के लिए, तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जो पहले ही अपनी रिपोर्ट कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेज चुकी है।

सीएम ममता बनर्जी ने किया, बंगाल में 'खेला होबे दिवस' का ऐलान, कहा- जनता ने किया है पसंद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने 'खेला होबे दिवस' मनाने का ऐलान किया है। ममता बनर्जी ने मंगलवार को बंगाल विधानसभा में कहा कि लोगों ने खेला होबे को पसंद किया है। इसलिए हमने 'खेला होबे दिवस' मनाने का फैसला लिया है। इस बीच विधानसभा से नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी समेत सभी बीजेपी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर लिया। सत्ता पक्ष के विधायकों से नोंकझोंक के बाद अधिकारी अपने सभी विधायकों के साथ बाहर निकल आए।

शिक्षा मंत्री निशंक ने की घोषणा, जेईई मेन तीसरे चरण की परीक्षा 20 और चौथे चरण की 27 जुलाई से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को अप्रैल और मई सत्र की जेईई मेन परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा कर दी। उन्होंने ऐलान किया कि जेईई मेन के तीसरे चरण (अप्रैल) की परीक्षा 20 जुलाई से 25 जुलाई तक और चौथे चरण (मई) की परीक्षा 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच होगी। अगर किसी परीक्षार्थी ने पहले इन चरणों के लिए आवेदन नहीं किया तो उसे भी एप्लाई करने का मौका दिया जाएगा। ऐसे परीक्षार्थी पहले चरण के लिए 6 जुलाई से 8 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। जबकि चौथे चरण की परीक्षा में बैठने के लिए 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच एप्लाई किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री ने कहा, 'दोनों चरणों की आवेदन प्रकिया के दौरान विद्यार्थी अपना परीक्षा केंद्र बदल भी सकते हैं। हमारी कोशिश होगी कि सभी परीक्षाथिर्यों को उनकी पसंद का परीक्षा केंद्र उपलब्ध करवाया जा सके।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01403UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा अकरकरा
प्रयागराज के किसानों से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

TVS

प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मोः 9721116002

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेयर कट, हेयर स्ट्रेटिंग, हेयर पैच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेयर स्पा, फायर कट
मॉडल मेकअप, नवरदेव मेकअपड (पैकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम निअर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

ककरम गांव में जमीनी विवाद को लेकर कभी भी हो सकता बडा हादसा

पुलिस के सामने चले लाठी डंडे, पुलिस जान बचा कर भागी

अखंड भारत संदेश

भडेवरा/करछना। तहसील के ककरम गांव में पारिवारिक जमीन का लम्बित पुराना विवाद तहसील एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के लापरवाही के बदौलत सुलझाया नहीं जा सका है।

जिसको लेकर किसी दिन बडी वारदात की संभावना जताई जा रही है, कयी वषी से दो परिवार के बीच जमीन का विवाद चला आ रहा है जिसको लेकर दोनों पंक्ष अनगिनत बार शिकायतें तहसील व थाना दिवस पर दिए जाने के बाद भी प्रशासन मामले में निस्तारण करवाने में रुचि नहीं दिखाई ।जिसको लेकर दोनों पंक्ष आपस में कयी बार लडाई झगड़े कर लहू-लुहान हो चुके हैं,

जिससे यह विवाद अब पूरी तरह से खूनी संघर्ष बन गया है ।सोमवार को जमीन के ही विवाद में दोनों पंक्ष आपस में भिड़ गए देखते-देखते दोनों तरफ से लाठी डंडे से वार एक दूसरे पर करते रहे ।उस दौरान करछना पुलिस मौके पर तैनात रही लाठी डंडे चलते देख भाग भाग खडी हुई । लाठी डंडे से मार पीट में दो लोगोंके सर टूटे और गंभीर चोट लगने से घायल हो गए। पूरा मामला जनपद प्रयागराज के करछना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव ककरम का है जहां पर कई वर्षों से जमीनी विवाद को लेकर सोमवार को कामता प्रसाद सोनकर पुत्र नचकऊ व अमृतलाल के पुत्र राकेश रवीश बुल्लु आपस में भीड़ गए और दोनो तरफ से लाठी डंडे चलने लगे। और जिसके चलते राकेश तथा कामता को कुछ चोटे आई ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से हमारे यहां जमीनी विवाद चला आ रहा है पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना पहले दी गई थी लेकिन इस विवाद का समझौता पुलिस प्रशासन नही करवा पाई जिसके बदौलत यह पूरा मामला विवाद खूनी संघर्ष बनता जा रहा।

...ताकि वैक्सीनेशन के समय गर्मी से बचा जा सके

सामाजिक दायित्व के निर्वहन के तहत अल्ट्राटेक ने सीएचसी को प्रदान किया फैन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शंकरगढ़।सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सदैव आगे रहने वाली सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ को तीन फैन प्रदान किया है। कंपनी के अधिकारियों ने सीएचसी परिसर में अधीक्षक डा. शैलेंद्र सिंह से मुलाकात की और फैन प्रदान किया।

अल्ट्राटेक बारा यूनिट के एचआर हेड लल्लन सिंह ने बताया कि मंगलवार को अल्ट्राटेक सीमेंट बारा प्लांट द्वारा ठसामाजिक दायित्व के निर्वहनठ के तहत शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 03 पेडिस्ट्रल फैन (पंखा) प्रदान किया गया। यह फैन वैक्सीनेशन के दरम्यान गर्मी से बचाव के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।लल्लन सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को बखूबी समझती है और समय-समय पर इसे निभाती भी है। उन्होंने बताया कि कंपनी आने वाले दिनों में भी सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करती रहेगी। इस मौके पर अधीक्षक डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह,अल्ट्राटेक बारा यूनिट के सिक्योरटी ऑफिसर राजवीर सिंह, एडमिन के पंकज त्रिपाठी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

यमुनापार के समर्पित और ध्येयनिष्ठ कार्यकर्ता बृज मोहन मिश्र अब हमारे बीच मे नहीं रहे

अखंड भारत संदेश

करछना/भडेवरा। श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रारंभिक काल के योद्धाओं में एक अपने परिश्रम और साधना से जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद को ही अपनी पहचान बना लिया था। इंटरमीडिएट कालेज के प्रधानाचार्य रहे और प्रधानाचार्य के पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में तीन वषी तक काशी में रहे । जीवन के अंतिम समय तक हिंदू जागरण और संगठन के कार्यो में पूर्ण मनोयोग से लगे रहे । उनका जाना संगठन और हिंदू समाज की एक बहुत बड़ी क्षति है। जिसकी पूर्ति निकट भविष्य में कठिन है। लोगों ने कहा कि 78 वर्षीय पं बृज मोहन मिश्र एक ईमानदार उज्ज्वल चरित्र सहित एक मिलनसारता के रूप में क्षेत्र में विख्यात रहे। उक्त उद्गार

करछना क्षेत्र के डाभी गांव में मंगलवार को आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में मौजूद विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने व्यक्त किया। लोगों ने उन्हें अश्रुपूरित नेत्रों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभु से अपने चरणों में स्थान देने की सामूहिक रूप से प्रार्थना की गई । इस अवसर पर कृष्ण प्रकाश तिवारी,प्रमोद मिश्र अरुण मिश्र संगम लाल शुक्ल अजीत त्रिपाठी रजत मिश्र बृजेश मिश्रा श्वेत कमल शुक्ल आदि लोग मौजूद रहे ।

जसरा में प्रमुख के चार फार्म बिका,दो प्रत्याशी होंगे आमने सामने

1- मंगल की कामना के लिए चुना मंगलवार का दिन

प्रमुख प्रत्याशी अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने नामांकन पत्र लेने से पहले ही बताया कि जीवन में सदैव मंगल बना रहे,इसके लिए मंगलवार को पर्चा खरीदा हूँ।

2- कौन जीतेगा बाजी,सह मात का खेल शुरू

क्षेत्र पंचायत जसरा के चुनाव में प्रमुख पद पर दो प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा है। दोनों प्रत्याशियों के आमनेसामने आने से चुनाव दिलचस्प बन गया है। दोनों प्रत्याशी रात दिन एक करने में लगे हुए हैं । दो प्रत्याशियों में किसका भाग्य देगा साथ, किसका होता है मंगल और किसके ऊपर शनि रुष्ट होकर करेंगे किसका अमंगल,यह आने वाला समय ही बतायेगा।

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार क्षेत्र पंचायत के प्रमुख पद के चुनाव हेतु मंगलवार को सुबह 11 बजे से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू की गई। जिसमें चार सेट नामांकन पत्र लोगों ने खरीदा।

क्षेत्र पंचायत जसरा में ब्लॉक प्रमुख पद के लिए चुनाव हेतु नामांकन पत्रों की बिक्री सुबह 11 बजे शुरू की गई।

सबसे पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख पद के उम्मीदवार अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह अपने सहयोगियों के साथ नामांकन पत्र लेने के लिए ब्लॉक परिसर पहुंचे। नामांकन पत्र दे रहे एडीओ पंचायत प्रेम दास ने अजीत सिंह को दो सेट नामांकन पत्र दिया। उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी व प्रमुख पद के उम्मीदवार चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी के बेटे अजीत त्रिपाठी व भाजपा के जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ब्लॉक पहुंच कर दो सेटों में पर्चा खरीदा। जिसमें एक चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी व दूसरा पर्चा मंजूबाला त्रिपाठी के नाम से लिया गया है। बताते चलें कि इसके पूर्व के चुनाव में जसरा प्रमुख की कुर्सी आरक्षित रही और राधा देवी कोटार्य प्रमुख चुनी गई थीं।

दिवाल उठाने से मना करने पर दो पक्षो मे हुई मारपीट- की हवाई फायरिंग

अखंड भारत संदेश

भडेवरा। पुराने जमीनी विवाद को लेकर क्षेत्र के ककरम गाव मे दो पक्षो मे जमकर मारपीट हो गई जिसमे कई लोगो को चोटे आई बता दे कि गाव मे राकेश सोनकर और कामता प्रसाद सोनकर के बीच काफी दिनो से जमीनी विवाद चला आ रहा था।सोमवार को राकेश कुमार छहर दिवारी बना रहा था तभी दूसरे पक्ष के लोगो ने यह कहते हुए कि छहर दिवारी बन जाएगी तो रास्ता बन्द हो जाएगा।इसी बात को लेकर दोनो पक्षो मे गाली गलौज होने लगी और मौके पर पहुची पुलिस के सामने भी जमकर चले लाठी डंडे और ईंट पत्थर चलने लगे इस दौरान दोनो पक्षो से कई लोगो को चोटे आई।जिसमे कामता पक्ष के कामता व उसकी पतने उषा देवी,ज्ञानबाबू,गुडडू को गंभीर चोटे आई वही राकेश को भी मामूली चोटे आई।आरोप है राकेश पक्ष की ओर से हवाई फायरिग भी की गई।पुलिस ने दोनो पक्षो की तहरीर पर मामला दर्ज करते हुए जांच पडताल मे जुटी है।

जन्मदिन पर भाजपाइयो ने किया पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

करछना। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जनसंघ के संस्थापक के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र के सेमरी बनपुरवा स्थित प्राथमिक व जूनियर स्कूल में मंडल करछना,मंडल चाका के चंपतपुर गांव के मार्केट के चौराहे पर में फलदार वृक्षों से वृक्षारोपण किया गया और जनता को यह संदेश दिया गया फलदार वृक्ष से लोगों को छाया भी मिलेगी और फल भी खाने को मिलेगा साथ ही साथ जीवन को बचाने के लिए ऑक्सीजन पर्याप्त मिलेगी। कार्यक्रम जिला उपाध्यक्ष भाजपा यमुनापार इंजीनियर जगदीश सिंह यादव की अगुवाई में संपनन हुआ ।इस मौके पर पृथ्वी पाल सिंह,उमेश पांडेय, दिनेश कुमार यादव, मुनींद्र यादव, ओम पांडेय, कमलेश यादव, गुड्डू सिंह पटेल, रमाशंकर,रमेश यादव अमित यादव, उदय राज पटेल, प्रियांशु यादव, अजय विश्वकर्मा, रवि निषाद , अशर्फीलाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ लगाने का लो संकल्प, प्रकृति को बचाने का यही है विकल्प : शंकरलाल पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

लालापुर। ग्राम पंचायत लालापुर-भटपुरा में ग्राम प्रधान शंकरलाल पाण्डेय ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।वृक्षारोपण के दौरान श्री पाण्डेय ने कहा कि हमारे देश में नहीं अपितु पूरे विश्व में भी वनों का विशेष महत्व है। वन ही प्रकृति की महान शोभा के भंडार हैं। वनों के द्वारा प्रकृति का जो रूप खिलता है, वह मनुष्य को प्रेरित करता है।दूसरी बात यह है कि वन ही मनुष्य, पशु- पक्षी, जीव -जंतु आदि के आधार है। वन के द्वारा ही सब के स्वास्थ्य की रक्षा होती है।वन इस प्रकार से हमारे जीवन की प्रमुख आवश्यकता है। अगर वन ना रहे तो हम नहीं रहेंगे और यदि वन रहेंगे तो हम रहेंगे।

मानव का जीवन बिना ऑक्सीजन के संभव नहीं है। यह ऑक्सीजन हमें शुद्ध और स्वच्छ हवा से ही प्राप्त होती है। ये शुद्ध हवा हमें वृक्ष द्वारा ही प्राप्त होती है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार होते हैं। वृक्ष के बिना मानव जीवन का धरती पर कोई अस्तित्व ही नहीं

हो सकता। अगर हमें पर्यावरण को बचाना है, तो अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। जिस प्रकार व्यक्ति अपने बच्चे का पालन पोषण करता है। उसी प्रकार वृक्ष का भी करना चाहिए। एक बार आपका बच्चा आपके जीवन से अलग हो सकता है, परंतु एक वृक्ष जीवन भर आपका साथ निभाता है। इसलिए वृक्ष हमारे जीवन का एक आधार है जो केवल थोड़ा सा पानी और सूर्य की किरणे मांगतें हैं।इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि अपने पूरे जीवन में एक वृक्ष तो जरूर लगाएं।इस मौके पर माखन पाण्डेय, रज्जन पाण्डेय, चंचल पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, देवेंद्र केशरवानी सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

बदलते समाज में बढ़ रही समस्याएं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आज बहुत तेजी के साथ समाज में बदलाव का दौर चल रहा है। समाज में जहां शिक्षा का स्तर तेजी के साथ बढ़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ समाज का बहुत बड़ा हिस्सा आपसी तनाव,परेशानी, अवसाद, से पीडि.त है। आपसी मनमुटाव को लेकर लोग खुद को लाचार और परेशान कर रहे हैं। आधुनिकता भरे माहौल में लोग खुद को स्वतंत्र महसूस कर तो रहे हैं परन्तु दूसरी तरफ उनमें आगे निकलने की होड़, अपना और अपने परिवार के साथ ही आने वाली पीढि.यों का भविष्य बेहतर बनाने की जिद ने उन्हें सामाजिकता से दूर कर दिया है। आज युवा वर्ग में आपसी संतुलन, सहनशीलता, मेहनत करने की आदत, दृढ़ता, एवं गंभीरता जैसी अंदरूनी शक्तियों का लोप होता जा रहा है। नतीजतन लोग डिप्रेशन जैसी भयावह बीमारी का शिकार हो रहे है। जो आगे आने वाली वाली पीढि.यों के लिए अनुवांशिक हो जाएगा। फलस्वरूप

समाज के बहुत हिस्से सामाजिकता से परे रहेंगे। आधुनिकता के इस खेल में खुद के अंदर मेहनत करने की आदत, दृढ़ इच्छाशक्ति और मानसिक संतुलन को बनाए रखने के साथ ही सामाजिक गतिविधियों को भी अपनाना चाहिए जिससे एक सामाजिक जीवन जीने में मदद मिल सके। आज जरूरत है तो एकत्व की भावना को अपनाते हुए एक सरल,सहज एवं सामाजिक जीवन जीने की जिससे जीवन का सही आनंद मिल सके।वरन आधुनिकता की दौड़ में कहीं भी सुकून नहीं है सिवाय अवसाद के।

हथसरा प्रधान शिव गणेश ने कराया 1600, वृक्षों का रोपण कार्य

करछना। गांव के विकास के साथ-साथ पर्यावरण को बेहतर बनाना हम सब की जिम्मेदारी है, वृक्ष हमारे सभी मनुष्यों, एवं धरती पर रहने वाले सभी जीवों के लिए बरदान है, हमारा उद्देश्य है कि गांवो में सभी लोग मिल कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए मिल कर

धरती की अनमोल धरोहर को हरा भरा बनाने के लिए सब मिल कर कदम उठाये, उक्त बिचार करछना विकास खंड के ग्राम पंचायत हथसरा ग्राम प्रधान शिव गणेश पटेल ने गांव में सोलह दस पौधों के वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कहीं, इस दौरान मनरेगा मजदूर,रोजगार सेवक बाल मुकुंद विश्रवकरमा सहित गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

महिला मेठो का करछना में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग की परियोजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों की सदस्य मनरेगा में महिला मेठ का कार्य करने के लिए चयनित हैं ,का प्रशिक्षण विकास खंड कार्यालय में दिया गया ज्ञात हो आयुक्त ग्राम विकास द्वारा निर्गत आदेश के क्रम में विकास खण्ड के प्रत्येक ग्राम में मनरेगा मेठ की तैनाती होनी है। जिसके अंतर्गत पूर्व में भी आदेश निर्गत हुए थे जिसके क्रम में अधिकतम गांव में मेठ की तैनाती की प्रक्रिया पूर्व सत्र में ही पूरी हो चुकी है तथा शेष की कार्यवाही प्रक्रिया में है इसी क्रम में विकास खंड कार्यालय में महिला मेठ को प्रशिक्षण हेतु विकास खंड कार्यालय में बैठक बुलाई गई थी जोकि सहायक विकास अधिकारी रामेश्वर सिंह द्वारा दी गई जिसमें मनरेगा संबंधित कार्यों की जानकारी दी गई एवम् लाभार्थी परक योजनाओ की जानकारी दी गई।ब्लॉक मिशन प्रबंधक आदित्य तिवारी द्वारा महिला मेठ के कार्य दायित्वों का विवरण विस्तार से दिया गया एवं समूह को ग्राम पंचायत में एक सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया तथा प्रत्येक समूह द्वारा आजीविका में सुधार हेतु लघु उद्योग से जुड़ के अपनी आजीविका में वृद्धि करने का सुझाव दिया गया तथा सरकार के प्रयासों को क्रमशः बताया गया जो कि समूह को सशक्त बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधान ने पतवां ग्राम सभा में कराया पौधारोपण

अखंड भारत संदेश

जंघई। प्रतापपुर के पतवां ग्राम सभा में विभिनन स्थानों पर ग्राम प्रधान पतवां सुनील मिश्रा पिंटू ने लगभग 1125 पौधे जिसमें सागौन, यूके लिप्टस, जामुन, पीपल आदि का पौधा रोपण करवाया। पौधारोपण कार्यक्रम में विजय शंकर मिश्रा, एडवोकेट आशीष मिश्रा, कुशल, पिंकी, गणेश आदि लोगों ने पौधारोपण में शामिल रहे।

संदिग्ध दशा में विवाहिता लापता, पति ने दी गुमशुदगी की तहरीर

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र से एक विवाहिता संदिग्ध दशा में लापता हो गई है। यह प्रकरण एक माह पुराना है। काफी खोजबीन के बाद जब विवाहिता का कोई पता नहीं चला तो ससुराली परिजन थाने पहुंचे। इस मामले में पति ने शंकरगढ़ पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी है। विवाहिता के लापता होने का यह मामला क्षेत्र के कोहडि.या गांव का है।पुलिस को दी गई तहरीर में कोहडि.या निवासी अंशुमान सिंह पुत्र अजायब लाल सिंह ने बताया है कि बीते 31 मई को उसकी पतने नेहा सिंह किसी कार्य से बाहर गई थी, लेकिन लौटकर नहीं आई। पतने नेहा के घर नहीं लौटने से परेशान ससुराली परिजनों ने खोजबीन शुरू की, पर कोई पता नहीं चला। इसके बाद अन्य संभावित रिश्तेदारियों के अलावा मायके में भी पता किया,पर अब तक कोई पता नहीं चला। नेहा सिंह के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिलने पर पति अंशुमान सिंह ने शंकरगढ़ पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। नेहा सिंह की शादी वर्ष 2018, जून माह में हुई थी। उसका मायका मध्य प्रदेश के रीवा जनपद (पपौरा, त्योंथर, जनेह) में है।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। उपमहानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश व पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित क्षेत्राधिकारी बारा अवधेश कुमार शुक्ल की देखरेख में थानाध्यक्ष शंकरगढ़ कुलदीप तिवारी व उनके हमराहियों के कुशल नेतृत्व में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाए जाने के तहत 3 जुलाई 2021 को पगुआर स्थित शराब की दुकान में घुसकर सेल्समैन के साथ मारपीट करते हुए दुकान से लूटे ग?ए 45 प?ऊआ देशी शराब के साथ दो वांछित अभियुक्त सौरभ तिवारी पुत्र बजरंग तिवारी निवासी गोवरा व अजय कुमार पुत्र रामनिवास निवासी मझियारी बहेलिया थाना शंकरगढ़ को पगुआर नदी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया जिनके पास से लूटे ग?ए धन में क्रमशः 590 व 470 रुपए नगद बरामद कि?ए ग?ए जिनके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 241/221धारा394/452/504/506 का मुकदमा पंजीकृत था इसी के तहत विधिक कार्यवाही करते हुए दोनों को जेल भेज दिया गया गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक

अवनेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल मनीष कश्यप, कांस्टेबल मोनू राजपूत, रि0कॉन्स्टेबल अभय कुमार सम्मिलित रहें।

यातायात नियमों के उल्लघंन पर पांच ट्रक सीज

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने याताायात नियमों के उलंघन पर पांच ट्रक सीज किया है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान ट्रक संख्या यूपी 70-एफटी-1300 (चालक कमल पुत्र भुल्ली, भंवरी, रैपुरा, चित्रकूट), एमपी17-एचएच-2586 (संदीप पुत्र राम्अवतार, छिवलहा,मऊ, चित्रकूट), यूपी70-ईटी-8100 (चालक पप्पू पुत्र सूरजभान, भंवरी, रैपुरा, चित्रकूट), एमपी66-एच-1474 (चालक फूलचंद्र पुत्र भैयालाल, गोंडा, कोरारी, भरतपुर, चित्रकूट) और यूपी70-जीटी-1400 (चालक जगपाल पुत्र छोटेलाल कोठलीहाई, कोतवाली,चित्रकूट) को सीज किया है। यह कार्यवाही एसआई ऋतुराज सिंह और हेड कांस्टेबल राजेश सिंह यादव, रोहित कुमार, मनीष सिंह ने की है।

अपने कर्त्तव्यों का करूंगा बखूबी निर्वहन : दिलीप कुमार

महामंत्री पद प्रत्यासी एडवोकेट दिलीप कुमार आजाद ने अधिवक्ताओं से की अपने पक्ष में वोट करने की अपील

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। आज के समय में अधिवक्ताओं की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। विधिक तरीके से दूसरों की मदद करने वाला अधिवक्ता खुद ही शासन प्रशासन की उपेक्षा का शिकार है। अधिवक्ताओं के अधिकारों एवं उनके हितों के लिए मैं सदैव एक कदम आगे की सोच रखता हूं। अगर अधिवक्ता साथी बार एसोसिएशन के होने वाले चुनाव में मुझे महामंत्री पद के लिए चुनते हैं तो मैं वादा करता हूं सदैव अधिवक्ताओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगा। उक्त बातें मंगलवार को फूलपुर तहसील में उपस्थित अधिवक्ताओं से अपने पक्ष में वोट करने की अपील करते हुए महामंत्री पद प्रत्यासी एडवोकेट दिलीप कुमार आजाद ने कही। इसके पहले बार एसोसिएशन में महामंत्री पद के

प्रत्याशी एडवोकेट दिलीप कुमार आजाद ने फूलपुर तहसील बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित दक्षता भाषण में भी अधिवक्ताओं की मूलभूत सुविधाओं एवं उनकी समस्यायों पर अपने विचार रखे। मौके पर फूलपुर तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ ही बार एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी भी मौजूद रहे।

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष को पत्नी शोक,शिक्षकों ने जताई संवेदना

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ में मंगलवार को एक शोक सभा आयोजित हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के जिलाध्यक्ष राम प्रकाश पांडे की पतने का अकस्मात दिल्ली में निधन होने पर पूरे विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह ने दिवंगत आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए समस्त स्टाफ सहित दो मिनट का मौन रखा और परिवार को ईश्वर से इस असहनीय दुख को सहन करने के लिए शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मौके पर हरिकृष्ण, राकेश चंद्र मिश्रा, अजय कुमार, वकील प्रसाद शुक्ला, अर्जुन सिंह तोमर, अरविंद कुमार गौतम,पनेलाल, ओपी धारिया, अजय प्रताप सिंह, सुरेंद्र, राम सिंह, बृजेश कुमार यादव, प्रदीप सिंह, सिद्धार्थ तिवारी, राम सिंह, सीबी यादव, शीतल सिंह, लाडली वर्मा आदि लोग उपस्थित हुए।

11 वर्षीय बालिका का क्षत-विक्षत लाश देख गांव में मचा हड़कंप

शनिवार की भोर से गायब बालिका का झाड़ियों में मिला शव, बालिका का क्षत-विक्षत लाश देख परिजनों सहित ग्रामीणों के उड़े होश

अखंड भारत संदेश

सहसों। सराय इनायत थाना के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के घरहरा चकिया गांव में 11 वर्षीय बालिका का क्षत-विक्षत शव गांव के किनारे पर झाड़ी में मिला। जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसपी गंगापार धवल जायसवाल, क्षेत्राधिकारी फूलपुर रामसागर, थाना प्रभारी सराय इनायत राकेश चौरसिया, कोतवाली प्रभारी फूलपुर राजकिशोर,चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया। वहीं पर नाबालिक बालिका की हत्या का आशंका को देखते हुए दुखी ग्रामीण ने जांच कर दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घरहरा गांव निवासी बलवंत भारतीया की 11 वर्षीय पुत्री श्रद्धा भारतीया शनिवार 3 जुलाई को अपनी मां शकुंतला के साथ भोर में पांच बजे घर से शौच के लिए निकली परंतु बालिका श्रद्धा भारतीया ने आम के बगीचे में आम बीनने के लिए रुक गई मां शौच के लिए चली गई। मां शकुंतला वापस लौटने पर बगीचे में पुत्री को ना पाकर घर चली आई। घर पर भी जब पुत्री श्रद्धा नहीं मिली तो आसपास खोजना शुरु कर दिया। काफी खोजबीन के बाद जब कहीं पता नहीं चला तो परिजन परेशान हो गए। फिलहाल परिजन इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट सराय इनायत थाने में जाकर दर्ज करा दी।

घटना की जानकारी तब मिली जब मंगलवार को सुबह महिलाएं खेत में धान की रोपाई करने गईं। तो देखा खेत के पास बालिका का एक हांथ पड़ा हुआ था। महिलाएं घबराकर इसकी सूचना ग्रामीणों सहित अन्य लोगों को दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीण तथा श्रद्धा के परिजनों ने खोजबीन की तो झाड़ी में क्षत-विक्षत शव दिखाई दिया। परिजनों ने शव की शिनाख्त कपड़े से श्रद्धा भारतीया के रूप में की। लाश को देखकर पहचान होने पर परिजनों के होश उड़ गए और जोर जोर से रोने लगे। इस हैवानियत भरा दर्दनाक घटना से शुभचिंतकों सहित ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंचे चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह, थाना प्रभारी सराय इनायत राकेश चौरसिया, कोतवाली प्रभारी फूलपुर राजकिशोर तथा क्षेत्राधिकारी फूलपुर रामसागर ने मां शकुंतला, पिता बलवंत तथा चाचा शीलवंत से अहम जानकारी जुटाई। तथा शव का पंचनामा कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे एसपी गंगापार धवल जायसवाल ने भी जानकारी हासिल करते हुए पीएम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन परिजनों को दिया। मौके पर पहुंचे बसपा नेता रामबरन पासी तथा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीष पासी सहित अन्य ग्रामीण तथा परिजन इस घटना से दुखी व मर्माहत हैं। श्रद्धा भारतीया दो भाई दो बहनों में तीसरे नंबर की थी। पिता मेहनत मजदूरी कर अपने घर का भरण पोषण करता है। श्रद्धा भारतीया की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा

इविवि में मांगो को लेकर विभिन्न संगठनो ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऑफ लाइन क्लासेज चलाने, सेंट्रल लाइब्रेरी शुरू करने और छात्रावास की सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर एक संयुक्त मोर्चा फोरम फ़ॉर रिओपेन कैम्पसेज का गठन किया गया। फोरम फ़ॉर रिओपेन कैम्पसेज(ईंण) के बैनर तले आज दोपहर 1 बजे आइसा, दिशा, इंक़लाबी छात्र मोर्चा और एसएफआई से जुड़े छात्रों ने छात्रसंघ भवन, इविवि पे प्रदर्शन व सभा किया। सभा में अपनी बात रखते हुए छात्रों ने कहा कि कोरोना की आड़ में हमारी शिक्षा व्यवस्था को बरबाद किया जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षा कभी ऑफलाइन शिक्षा का विकल्प नहीं हो सकती। जब प्राइवेट यूनिवर्सिटी, प्राइवेट कॉलेज व प्राइवेट कोचिंग खुल गए हैं तो हमारे विश्वविद्यालयों को क्यों नहीं खोला जा रहा है? सभा में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में पिछले मंगलवार को इंक़लाबी छात्र मोर्चा के बैनर तले ऑफ लाइन क्लास चलाने व लाइब्रेरी खोलने की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने व आंदोलन में शामिल छात्रों को कारण बताओ नोटिस भेजने की निंदा किया।

फोरम फ़ॉर रिओपेन कैम्पसेज की प्रमुख माँगें-

1- जल्द से जल्द ऑफ़लाइन कक्षायें शुरू की जाएं।

2- सेंट्रल लाइब्रेरी को तत्काल खोला जाए।

3- छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू हो।

4- छात्रावास में रह रहे छात्रों पर लगाया गया जुर्माना वापस लिया जाए।

5- आंदोलनरत छात्रों को दी गयी कारण बताओ नोटिस तुरंत वापस लिया जाए।

सांसद ने माल्यार्पण व वृक्षारोपण कर मनाया श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म दिवस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस 23 जून से उनके जन्मदिन 6 जुलाई तक पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरे प्रदेश में 'वृक्षारोपण जन आन्दोलन' के तहत प्रदेश में 25 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा निर्धारित किया गया था ।

इसी क्रम में मंगलवार को सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल ने विज्ञान भवन के सामने वृक्षारोपण किया एवं जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यर्पण कर उनका जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भारद्वाज अनिल भट्ट व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जसरा में मिली वैक्सीन तो गांव गांव लगने लगा कैम्प

अखंड भारत संदेश

जसरा/ प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में वैक्सीन की कमी के कारण गांव गांव में लगने वाला टीकाकरण कैम्प सप्ताह भर से बंद कर दिया गया था। इसके कारण दूर दूर से टीकाकरण कराने के लिए आने वाले बुजुर्गों को भारी दिक्कत हो रही थी। लेकिन फिर से कैम्प शुरू होने के कारण लोग अब राहत की सांस ले रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में 1ळ का हो रहा गांव गांव में वैक्सीनेशन को लेकर वैक्सीन की कमी के कारण एक सप्ताह गांवों में लगने वाला कैम्प बंद किया गया था। सोमवार को वैक्सीन मिलने के बाद टीकाकरण जसरा के दस गांवों में पुनः शुरू किया गया है। जिसमें कांटी, खुटरिया,सड़वाखुर्द, रेही,रामनगर, पिपरांव, मरुआ, सेन्धुवार, कैनुआ और कंजासा में टीकाकरण कराया गया है। वहीं मंगलवार को भी इन्हीं गांवों में टीकाकरण हो रहा है। सायं चार बजे तक दसों कैम्पों पर 992 लोगों ने टीकाकरण कराया है। जबकि सीएचसी जसरा में दो सौ लोगों ने वैक्सीनेशन कराया।सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा के अधीक्षक डा0तरुण पाठक ने बताया कि वैक्सीन की उपलब्धता एक सप्ताह न होने के कारण टीकाकरण बंद रहा। वहीं सीएचसी की स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी सीमा सिंह ने बताया कि दसों गांवों अभी टीकाकरण किया जा रहा है। जब तक वैक्सीन लगवाने वाले लोग कैम्प पर रहेंगे,टीकाकरण चलता रहेगा। कैम्प पर हीरानंदन पंकज पांडेय,पिपरांव प्रधान ओमप्रकाश मिश्र,पितम्बरलाल बिन्द, सूरज यादव,नीशा गौतम,रीता सिंह, दिब्यारानी शर्मा सहित दर्जनों एएनएम मौजूद रहीं।

लूटपाट के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। देशी शराब की दुकान का दरवाजा तोड़कर लूटपाट करने और विरोध पर सेल्समैन पर हमला करने के दो आरोपियों को मंगलवार को शंकरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी पगुवार नदी के पास से की गई है।आरोपित है कि घटना का साक्ष्य मिटाने की नीयत से आरोपीगण दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा भी खोल ले गए थे। यह घटना बीती तीन जुलाई की है। थानाध्यक्ष शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि तीन जुलाई को कुछ लोगों ने क्षेत्र के पगुवार में स्थित देशी शराब की दुकान का दरवाजा तोड़कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। आरोपियों ने दुकान से एक पेटी शराब लूटने के साथ ही कैश बाक्स से नगदी भी लूटी थी। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरा खोल लिया। जब सेल्समैन ने उक्त घटना का विरोध किया तो आरोपियों ने सेल्समैन के ऊपर हमला बोल दिया। इस मामले की तहरीर के आधार पर धारा 394, 452, 504, 506 के तहत केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को एसआई अबनेंद्र सिंह, कांस्टेबल मनीष कश्यप, मोनू राजपूत, अभय कुमार ने लूट के आरोपी सौरभ तिवारी पुत्र बजरंग (गोबरा संग्राम, शंकरगढ़) और अजय कुमार पुत्र रामनिवास (मझियारी, बहेलिया, शंकरगढ़) को पगुवार नदी के पास से धर दबोचा। पुलिस ने एक पेटी देशी शराब व नगदी भी बरामद की है। एसओ ने बताया कि इनके खिलाफ शंकरगढ़ थाने में पहले से भी मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस की विचारधारा व छात्रों की राजनीति में भूमिका पर एनएसयूआई ने किया गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर के आमंत्रण पर राजीव गांधी स्टडी सर्किल के प्रदेश समन्वयक प्रोफेसर विनोद चंद्रा अपने इलाहाबाद के दौरे पर समय निकाल इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एनएसयूआई के छात्रों से मिलने पहुंचे । विश्वविद्यालय पहुंचकर श्री चंद्रा ने सर्वप्रथम शहीद लाल पद्मधर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात छात्रों ने विनोद चंद्रा जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया । प्रयागराज एनएसयूआई के छात्रों के साथ इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ भवन पर बैठकर विनोद चंद्रा जी ने छात्रों को कांग्रेस की विचारधारा से अवगत कराते हुए प्रशिक्षित किया एवं छात्रों के अनेक प्रशनें का उत्तर भी दिया। कार्यक्रम में राजीव गांधी स्टडी सर्किल प्रदेश छात्र सचिव एवं शहर अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल अभिनीत कुशवाहा विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रयागराज एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इकाई अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी ,जिलाउपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला,कोऑर्डिनेटर धीरेन्द्र सिंह,प्रदेश महासचिव अजय पांडेय बागी,प्रदेश सचिव कमलेश सोनकर,विश्वविद्यालय प्रमुख सत्यम कुशवाहा,कौशाम्बी जिलाध्यक्ष अमित द्विवेदी,जिला महासचिव रजत मिश्रा,जिला सचिव वीरेंद्र यादव,शिवम पटेल,सागर सोनकर,आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत प्रमुख के लिये शंकरगढ़ में बिके पांच नामांकन फार्म

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। क्षेत्र पंचायत प्रमुख(ब्लॉक प्रमुख) चुनाव तिथि घोषित होने के साथ ही मंगलवार से नामांकन फार्मो की बिक्री शुरू हो गई है।विकासखंड शंकरगढ़ में मंगलवार को कुल 5 फॉर्म बेचे गए। नामांकन फॉर्म की बिक्री के साथ ही क्षेत्र में ब्लॉक प्रमुख पद के लिए गहमागहमी भी बढ़ गई है। मंगलवार को बिके पांच फार्मो में तीन फार्म वार्ड नंबर 35 से निर्मला देवी पतनी राजकरन व दो फार्म वार्ड नंबर 51 से गुलाब कली पतनी भोलानाथ ने खरीदा है।इस बार शंकरगढ़ में ब्लॉक प्रमुख की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिये आरक्षित की गई है।

बीरापुर गांव के सामने नेशनल हाईवे में खड़ी ट्रक में पीछे से घुसा बाइक सवार तीन की हालत गंभीर

अखंड भारत संदेश

हंडिया/प्रयागराज। हंडिया कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरौत पुलिस चौकी क्षेत्र के बिरापुर गांव के सामने नेशनल हाइवे पर खड़ी ट्रक में बाईक सवार पीछे से घुस गया जिससे बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार विनोद कुमार पुत्र रामविलास उम्र 27 वर्ष अपनी पतनी प्रतिमा उम्र 25 वर्ष व पुत्री अंशिका उम्र लगभग 7 वर्ष निवासी ग्राम खमरिया थाना चिल्ह जनपद मिर्जापुर से प्रयागराज अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे ।

कि जैसे ही वह हंडिया कोतवाली क्षेत्र के बीरापुर गांव के सामने हाईवे पर पहुंचे थे खड़ी ट्रक में पीछे से घुस गए जिसमें बाइक सवार तीनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर हंडिया कोतवाल बृजेश सिंह मय फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहा उपचार के लिए ले गए जहां पर उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।वही घटना की जानकारी होने पर घायलों के परिजन रोते बिलखते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपरदहा पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए ले गए।

प्रेमी संग किशोरी फुर्र

सिकंदरा। बहरिया थाना के सिकंदरा चौकी अंतर्गत ग्राम सभा बजाही बन्तरिया में अपने मौसी के घर आयी किशोरी सोमवार की रात शौच का बहाना बताकर घर से निकली और पुनः वापस नहीं लौटी तो किशोरी के मौसी व परिजन खोजबीन करने लगे जब कोई सूचना नहीं मिली।तो किशोरी के घर फोन करके पता किया तो वहां पर भी कुछ पता नहीं चलसका।तब उसके मां-बाप को बुलाकर मंगलवार की सुबह थाना बहरिया में किशोरी के पिता ने इब्राहिमपुर हेतापट्टी थाना झूसी निवासी पंकज भारतीया के द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की लिखित तहरीर दी। मिली जानकारी के अनुसार किशोरी अपने मौसी के घर से ही फोन करके अपने प्रेमी को बुलाकर उसी के साथ फुर्र हो गई।

टिकरी में दबंगों का कहर महिला व युवतियों पर जमकर बरसाई लाठियां आधा दर्जन से ज्यादा घायल

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के टिकरी गांव में रास्ते के विवाद में गांव के ही दबंगों ने जमकर लाठियां भांजकर कर आधा दर्जन से अधिक लोगों को घायल कर दिया।वे पुस्तैनी रास्ता बंद करने की धमकी दी जिसका विरोध करने पर दबंगों ने महिलाओं पर जमकर लाठी बरसा दी। बेरहमी से पिटाई करते हुए दबंगों को थोड़ी सी भी दया नहीं आई।

लहूलुहान महिला व युवतियां उतरांव थाने पर पहुंचकर दबंगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी तो उतराव पुलिस ने घायल महिला व युवतियों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदाबाद के लिए भेज दिया। मारपीट में सुशीला,, सावित्री,सोनल, प्रियंका,प्रीति, अंजलि घायल हो गए। पीड़िता सुशीला देवी की तहरीर पर शंभू नाथ प्रजापति व अरुणेश कुमार रिंकू प्रजापति व अंबुज पर मारपीट जान से मारने की धमकी घर में घुसकर मारना व तोड़फोड़ समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृतकर लिया है। वहीं दूसरे पक्ष से भी चोटें आई। दबंगों द्वारा पिटाई करते हुए वीडियो किसी व्यक्ति द्वारा बना लिया गया जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है।

प्रत्येक छात्र भी लगाएं एक-एक पौधे

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। उक्त बातें उ,प्र के पूर्व कैबिनट मंत्री डा,राकेशधर त्रिपाठी ने हबूसामोड़ स्थित महावीर ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान कही। बतौर मुख्य अतिथि रहे त्रिपाठी जी ने औषधि एवं फलदाई दस पौधे प्रांगण मे लगाए इस दौरान उन्हो ने कहा कि विद्यालय के प्रत्येक छात्र व शिक्षकों को भी एक एक पौधे अपने आसपास अवश्य लगांए जिससे पर्यावरण संतुलित रहे। आपके इस योगदान से जहां स्वक्ष पर्यावरण से लोगों को प्रांणवायु मिलेगा वहीं वृक्षारोपण के प्रति जनमानस मे जागरुकता का अच्छा संदेश भी जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष सुधांशु धर त्रिपाठी ,सचिव डा,पंकज त्रिपाठी, निदेशक प्रणव त्रिपाठी,डा,ताराशंकर सिंह ,प्रधानाचार्य सुनील कुमार मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी अजय सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

वन महोत्सव

पेड़ धरती की शान और जीवन की मुस्कान : शहजादे अल्हवा

ग्राम पंचायत अल्हवा सहित कोरांव ब्लाक के एवम जनपद के कई गांवों में पौधरोपण के लिए खुदवाए जा रहे गड़हे,तालाब,पक्की सड़क,मैदान,कब्रिस्तान, असपताल,खलिहानों,खेतों में लगाए गए पेड़,एक जुलाई से सात जुलाई तक कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सरकार द्वारा जुलाई में पूरे प्रदेश में पर्यावरण हित में पौधा रोपण की तैयारियां जोरों पर चल रही है। वहीं पर्यावरण दिवस पर कोरांव ब्लाक में समस्त गांवों में पौधरोपण के लिए प्रधान लोगों द्वारा गड़हे खुदवाए गए।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत अल्हवा में प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे द्वारा ग्राम सभा के तालाब के भीटो पर व मंदिर,धार्मिक स्थलों, मार्गी, कब्रिस्तानों, सार्वजनिक स्थानों, खेतों, खलिहानों में पौधा रोपण के लिए श्रमिकों से मनरेगा के तहत गढ़े खोदाए गए। साथ ही नागरिकों से खाली पड़े जमीनों पर पेड़ लगवाने की अपील की। प्रधान ने कहा कि आज देश को शुद्ध जलवायु,पर्यावरण की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि निरन्तर पेड़,बाग,वनों,के सफाए होने से ही जनमानस का जीवन खतरे में है। ऑक्सीजन की कमी हो गई है। लोगों की जाने जा रही है। वन पर्यावरण प्रेमी सम्मान से सरकार द्वारा एवार्ड प्राप्त कर चुके श्री शहजादे सोशल एक्टिविस्ट फाउंडर मिसकिन सेवा संस्थान ट्रस्ट ने कहा कि सभी नागरिक व प्रधान बन्धु अपने अपने इलाके में अनावश्यक हरे भरे वन, पेड़ किसी भी तरह से कटाई न होने दें। उन्होंने कहा कि गांव की जनता,किसान पशुपालक अपने मवेशियों को छुट्टा न छोड़ें। जिससे फसलों के अलावा पौधों का नुकसान न हो। ग्राम सभा में वन विभाग की नर्सरी से पौध जैसे इमली, बरगद,पीपल,सहिजन, नीम, अमरूद, आम ,सीसम, करंज, चरुल, सागवन आदि के पौध मंगवाएं गए और सभी अतिथियों,से पौध लगवाया गया। साथ ही प्रधान ने मनरेगा से प्रति दो सौ पेड़ पर एक श्रमिक साल भर में 90 दिन तक देख भाल के लिए तैनात किए। इसी तरह नब्बे दिन के बाद दूसरे श्रमिकों को अवसर दिया जाएगा और वे लोग पौधों की सुरक्षा करेंगे।

कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं में प्रवेश शुरू

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ में प्रवेश प्रारंभ हो गया है,यह जानकारी कालेज के प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह ने देते हुए बताया कि कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं में प्रवेश के लिए अभिभावक विद्यालय में संपर्क कर अपने पाल्यों का एडमिशन करा लें।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

सम्पादकीय

तालिबान का अफगानिस्तान

पिछले तीन दिनों में जिन दस जिलों पर तालिबान का कब्जा हुआ है, उनमें से आठ में कोई लड़ाई नहीं हुई। तालिबान लड़ाकों के डर से बड़ी संख्या में अफगान सेना के जवान सीमा पार कर पड़ोसी देश ताजिकिस्तान भाग गए। अफगान सरकार ने तालिबान से मुकाबले के लिए लोकल मिलिशिया को भी संगठित किया था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी तय हो जाने के बाद से वहां तालिबान का कब्जा जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह चिंताजनक है। खबर है कि अफगानिस्तान के कुल 421 में से एक तिहाई से ज्यादा जिलों पर उनका कब्जा हो चुका है। वे तेजी से आगे बढ़ते आ रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह कि अफगान सेना के जवान तालिबान लड़ाकों का ढंग से सामना भी नहीं कर पा रहे। पिछले तीन दिनों में जिन दस जिलों पर तालिबान का कब्जा हुआ है, उनमें से आठ में कोई लड़ाई नहीं हुई। तालिबान लड़ाकों के डर से बड़ी संख्या में अफगान सेना के जवान सीमा पार कर पड़ोसी देश ताजिकिस्तान भाग गए। अफगान सरकार ने तालिबान से मुकाबले के लिए लोकल मिलिशिया को भी संगठित किया था। लेकिन वे भी अब तक आधे-अधूरे ढंग से ही लड़ते दिखे हैं। ऐसे में इस बात की संभावना कम ही लगती है कि अफगान सेना या लोकल मिलिशिया का कोई ग्रुप अब तालिबान की राह रोक सकेगा। तालिबान प्रवक्ताओं की बातों में उनके बढ़े हुए आत्मविश्वास की झलक दिखने लगी है। तालिबान ने कहा है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी बहाने से विदेशी फौज की कोई टुकड़ी वहां रुकी तो अंजाम के लिए वह खुद जिम्मेदार होगी।

बहरहाल, अमेरिका सैन्य वापसी के अपने फैसले का आधार उस समझौते को बता रहा है जिसके मुताबिक तालिबान ने कहा है कि वे अफगानिस्तान से किसी आतंकवादी संगठन को पश्चिमी देशों के खिलाफ किसी तरह का अभियान नहीं चलाने देंगे। मगर जहां तक धार्मिक कट्टरता की बात है तो उस मामले में तालिबान खुद भी किसी से पीछे नहीं हैं। ताजा खबरें भी बताती हैं कि जिन इलाकों में उनका कब्जा हो रहा है, वहां तत्काल शरीयत कानून लागू करने, पुरुषों को अनिवार्य तौर पर दाढ़ी रखने, महिलाओं के अकेले घर से न निकलने जैसी हिदायतें जारी की जा रही हैं। बावजूद इसके, 2021 के तालिबान को 1996 का तालिबान समझना भी उचित नहीं होगा। इस बार यह महज सुन्नी पख्तून फौज नहीं है। इसमें अफगान ताजिक और उजबेकों की संख्या भी अच्छी खासी बताई जाती है। यहां तक कि उसमें शिया कमांडर होने की बात भी कही जा रही है। इसका मकसद खुद को व्यापक अफगान फौज के रूप में पेश करना हो सकता है। तालिबानी कट्टरता के साथ इस उदार छवि के तकाजों का सहज मेल नहीं बैठता। देखना होगा कि ये अंतर्द्वंद्व तालिबान के स्वरूप, चरित्र और व्यवहार को आगे किस तरह से प्रभावित करते हैं। भारत से प्रत्यक्ष-परोक्ष बातचीत के असर का अंदाजा होने में भी वक्त लगेगा। लेकिन फिलहाल इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती हुई ताकत आम तौर पर पूरी दुनिया के लिए और खासकर भारत में कश्मीर के लिए इस्लामी कट्टर उग्रवाद का एक नया खतरा बन सकता है।

नयी और गंभीर चुनौती हैं ड्रोन हमले, इनसे निबटने की कुशल रणनीति बनानी होगी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की वर्तमान सरकार नाकाम है, वहां आम-जनता त्रस्त है, परेशान है, त्राहि-त्राहि मची हुई। अपनी इन असफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के लिये वह ऐसे हमले करके अपने पक्ष में वातावरण बनाना चाहता है। इन हमलों के लिये चीन का दबाव भी बराबर बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर हवाई अड्डा परिसर में एयरबेस पर ड्रोन से हुआ आतंकी हमला प्रमाण है कि दुश्मन देश नहीं चाहता कि भारत में शांति स्थापित रहे, आम-जनता अमन चैन से रहे, लोग बन्दूक से सन्दूक तक आयें। सवाल उठता है कि इस प्रकार के आतंकवाद से कैसे निपटा जाए। कार बम, ट्रक बम, मानव बम और अब ड्रोन से हमला- इन हिंसक एवं अशांत करने वाले षड्यंत्रों को कौन मदद दे रहा है राष्ट्र की सीमा पर इन आतंकवादी घटनाओं को कौन प्रश्रय दे रहा है एक हाथ में समझौता और दूसरे हाथ में आतंकवाद- यह कैसे संभव है जैसे ही प्रांत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के शुरुआत की आहट हुई, वैसे ही यह आतंकी हमला सामने आया है। पाकिस्तान नहीं चाहता कि जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार बने।पाकिस्तान की मंशा को कमतर कभी नहीं समझना चाहिए। दुश्मन राष्ट्र कभी नहीं चाहते कि किसी किस्म का भारत-पाकिस्तान के बीच समझौता हो और अमन-चैन कायम हो।

पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को हर वक्त सामने रखता है, ऐसा करते हुए वह यह चाहता है कि किसी तरीके से भारत में गड़बड़ी पैदा करे, उपद्रव बढ़ाए, अशांत एवं आतंकवादी वातावरण बनाये। चाहे सांप्रदायिक उपद्रव हो या आतंकी उपद्रव, वह तरीके खोजता रहता है कि भारत में और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में हलचल मची रहे। भारत अस्थिर हो। यही उनका मुख्य मकसद है। केन्द्र सरकार इस दृष्टि से सावधान है, लेकिन सावधानी एवं सर्तकता के बावजूद खतरा बना रहता है। पाकिस्तान की वर्तमान सरकार नाकाम है, वहां आम-जनता त्रस्त है, परेशान है, त्राहि-त्राहि मची हुई। अपनी इन असफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के लिये वह ऐसे हमले करके अपने पक्ष में वातावरण बनाना चाहता है। इन हमलों के लिये चीन का दबाव भी बराबर बना हुआ है। चीन यह चाहता है कि भारत पर दबाव बना रहे। चीन को पता है कि उसे टक्कर देने वाला एकमात्र भारत ही है, अतः वह भारत को आतंकवाद व अशांति में उलझाए रखना चाहता है। इसलिये चीन पाकिस्तान को हर संभव सहायता देता है, नयी तकनीक एवं नये हथियार देकर वह उसे भारत पर हमले करने के लिये उकसाता रहता है। जैसे शांति, प्रेम, अहिंसा खुद नहीं चलते, चलाना पड़ता है, ठीक उसी प्रकार आतंकवाद भी दूसरों के पैरों से चलता है। जिस दिन उससे पैर ले लिए जाएँगे, वह पंगु हो पाएगा। इसलिये पाकिस्तान को पंगु करना आतंकवाद को समाप्त करने का प्रथम पायदान है।

गौरतलब है कि ड्रोन से आतंकी हमले के ताजा घटनाक्रम में सैन्य या अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों की ऊंची दीवारें, कंटीले तार और सेना की चैकियां अब आंतकी हमलों को रोकने के लिए नाकाफी है। एक सुरक्षित दूरी से दुश्मन हमला कर सकता है। ऐसे ड्रोन होते हैं जो 20 किलोमीटर तक उड़ान भर सकते हैं और साथ ही कुछ किलोग्राम के भार भी अपने साथ लेकर उड़ सकते हैं। आतंकवाद निर्यात भी किया जाता है और आयात भी किया जाता है जिसको अंग्रेजी में 'स्मगलिंग' कहते हैं। अब ड्रोन इस स्मगलिंग का माध्यम बन रहा है, जिससे नशीले पदार्थों, हथियारों, नकली नोटों और खतरनाक कैमिकल्स को इधर से उधर किया जाता है। जिसने कितने ही सशक्त सरकारी तंत्रों के सिर पर पिस्तौल तानी हुई है।

यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले दो सालों से पाकिस्तान एके-47 एसॉल्ट राइफल, गोला बारूद और ड्रग भारत भेजने के लिए यूएवी का इस्तेमाल कर रहा है। विशेष तौर पर पंजाब और जम्मू बॉर्डर पर ऐसा किया जा रहा है। अतीत में कई ड्रोन देखे गए हैं और इन्हें निष्क्रिय भी किया गया है और हथियार भी बरामद हुए हैं। ड्रोन देशविरोधी गतिविधियों के लिए इसलिए भी सुरक्षित है, क्योंकि रडार कुछ सैन्य ड्रोन का पता लगा सकते हैं, लेकिन छोटे क्वाडकॉप्टर का नहीं। ऐसे में सुरक्षा बलों के लिए यह कड़ी चुनौती है। इस बार ड्रोन से हमला पाकिस्तान का एक प्रयोग ही था, जिससे वह हमारी सुरक्षा एवं सर्तकता को जांचना चाहता था। यही कारण है कि इस हमले से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। यह सच्चाई है, दोनों ड्रोन हमले या विस्फोट के बाद वापस चले गए हैं, इससे पता चलता है कि हमारा एंटी ड्रोन सिस्टम कामयाब नहीं हुआ। यदि हमारा कोई सिस्टम है, तो वह बड़े ड्रोन के लिए बना है और छोटे ड्रोन के लिए हम सुरक्षा तंत्र अभी तक विकसित नहीं कर पाए हैं, इस पर हमें मुस्तैदी से ध्यान देना पड़ेगा। हमें सोचना पड़ेगा कि पाकिस्तान को इसका जवाब कैसे दिया जाए। हमारी सरकार, प्रशासन और सुरक्षा बलों को आगे की राह सोचनी चाहिए। पाकिस्तान में ड्रोन का सर्वाधिक इस्तेमाल होता रहा है। ड्रोन का इस्तेमाल 2011 से लेकर 2020 तक अमेरिकी सेना ने भी खूब किया है और अमेरिका ड्रोन के लिए पाकिस्तान की हवाई पट्टी का इस्तेमाल करता था। अनुमान यह है कि पांच से सात हजार लोग ड्रोन हमलों में मारे गए। अमेरिका कहता है कि मारे जाने वालों में 80 से 90 प्रतिशत आतंकवादी थे, लेकिन दूसरे संगठनों ने हिसाब लगाया है कि वास्तव में बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए हैं, जिनमें बच्चे और औरतें शामिल हैं। हैरानी की बात है कि सार्वजनिक रूप से ड्रोन के इस्तेमाल का खंडन किया जाता रहा है। गौर करने की बात है, भारत एवं पाकिस्तान दोनों देशों के बीच फरवरी में समझौता हुआ है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कोई फायरिंग नहीं होगी। दोनों देशों के बीच एलओसी साढ़े सात सौ किलोमीटर लंबी है और यहां अभी तक शांति रही है। लेकिन अब फिर पाकिस्तान ने समझौते का उल्लंघन किया है। ऐसी स्थिति में रोषभरी टिप्पणियों व प्रस्तावों से पाकिस्तानी हरकतों एवं आतंकवाद से लड़ा नहीं जा सकता। आतंकवाद से लड़ना है तो दृढ़ इच्छा-शक्ति चाहिए। नरेन्द्र मोदी सरकार ने अब तक जिस तरह ईमानदारी से ठान रखा था तो आतंकवाद पर काबू पाया जाता रहा है। अब और अधिक सख्ती से आतंकवाद के खिलाफ लड़ना होगा और पाकिस्तान को करारा जवाब देना होगा। हम जानते हैं कि बालाकोट का गंभीर असर पड़ा था। क्या हमें एक और बालाकोट करना चाहिए हमें पाकिस्तान पर सीमित हमला कर ड्रोन के हमले का जवाब तो देना ही चाहिए। केन्द्र सरकार की सख्ती को देखते हुए पाकिस्तान का भारत में घुसपैठ करना या आतंकवादी हमला करना अब आसान नहीं रहा। इसलिए यह नया तरीका उसने इस्तेमाल किया है। अगस्त 2020 में चेतावनी मिल गई थी कि हमला हो सकता है। ड्रोन से हमले के बारे में पहले से ही पता था। स्पष्ट है, पाकिस्तान ने हमले का एक नया ही क्षेत्र खोला है एवं नया तरीका इजाद किया है। वे अभी तक ड्रोन के जरिए हथियार, मादक द्रव्य और नकली नोट फेंकते थे, लेकिन अब इन्होंने जैसे हमला किया है, हमें भी जवाब देने के नए तरीके खोजने पड़ेंगे। पाकिस्तान को समय रहते करारा जवाब नहीं दिया गया तो उसके हौसले बुलन्द हो जायेंगे। हालांकि इस घटना ने सुरक्षा बलों को सुरक्षा को लेकर अपनी तैयारियों को नए सिरे से बनाने का अवसर जरूर दे दिया है।

भारत में धर्म, राष्ट्र, विचारधारा से संबंधित प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे परिणाम बड़े रोचक हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कुछ की मान्यता थी कि सच्चा भारतीय वही हो सकता है, जो हिंदू है या हिंदीभाषी हैं इस तरह की बात कहने वाले कौन लोग हो सकते हैं यह सर्वेक्षण इस प्रश्न का जवाब नहीं देता है लेकिन हम अंदाजा लगा सकते हैं। ये लोग वे हो सकते हैं, जिन्हें हम बुद्धिजीवी नहीं कह सकते हैं। अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर ने भारत की जनता के बारे में एक बड़ा रोचक सर्वेक्षण उपस्थित किया है। उसने भारत के लगभग तीस हजार लोगों से पूछताछ करके कुछ निष्कर्ष दुनिया के सामने रखे हैं। उसने भारत के विभिन्न धर्मों के प्रति लोगों की राय इकट्ठी की है। उस राय को पढ़कर लगता है कि धर्म-निरपेक्षता या पंथ-निरपेक्षता की दृष्टि से भारत दुनिया का शायद सर्वश्रेष्ठ देश है। इस सर्वेक्षण में भारत के हिंदू, मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और आदिवासियों से भी सवाल पूछे गए थे। 84 प्रतिशत लोगों ने कहा कि किसी भी 'सच्चे भारतीय' के लिए यह जरूरी है कि वह सभी धर्मों का सम्मान करे। 80 प्रतिशत लोगों ने कहा कि भारत में उनको उनके धर्म के पालन की पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उनमें से ज्यादातर लोगों ने कहा कि उनका गहरा संबंध और व्यवहार प्रायः अपने ही धर्म के लोगों के साथ ही होता है। उनका यह भी मानना था कि अंतरधार्मिक विवाह अनुचित हैं। कुछ हिंदुओं की मान्यता यह भी थी कि सच्चा भारतीय वही हो सकता है, जो हिंदू है या हिंदीभाषी हैं इस तरह की बात कहने वाले कौन लोग हो सकते हैं यह सर्वेक्षण इस प्रश्न का जवाब नहीं देता है लेकिन हम अंदाजा लगा सकते हैं। ये लोग वे हो सकते हैं, जिन्हें हम बुद्धिजीवी नहीं कह सकते हैं। ये साधारण समझ वाले लोग हैं। यह जरूरी नहीं कि इनके दिलों में अहिंदुओं या अहिंदीभाषियों के लिए कोई कटुता या दुर्भावना ही हो। अपनी मोटी समझ और उथले अनुभव के आधार पर उन्होंने अपनी उक्त राय जाहिर की होगी लेकिन खान-पान को लेकर तो लगभग सभी लोगों की राय साफ और लगभग एक-जैसी है। याने जो गोमांस खाए, वह हिंदू नहीं हो सकता और जो सूअर का मांस खाए, वह मुसलमान नहीं हो सकता।इसी प्रकार जातीय समीकरणों के बारे में ज्यादातर लोगों की राय (64 प्रतिशत) यह है कि अंतरजातीय विवाह नहीं होने चाहिए। अंतरधार्मिक विवाहों के बारे में भी ज्यादातर लोगों (64 प्रतिशत) की राय यही है। मेरी समझ में भारत की एकता और समरसता के लिहाज से यह राय ठीक नहीं है, हालांकि इन धार्मिक और जातीय बंधनों का टूटना आसान नहीं है। इन बंधनों को चूर-चूर होते हुए अपनी आंखों से मैंने अंडमान-निकोबार और सूरिनाम में देखा है। एक ही परिवार में विभिन्न धर्मों के पति-पतनी को मैंने बहुत प्रेम से रहते हुए देखा है। मॉरिशस में अंतरजातीय परिवारों की भरमार है। मेरे अपने मित्रों के ऐसे सैकड़ों परिवार देश-विदेश में हैं, जो अंतरधार्मिक और अंतरजातीय हैं। यह कितनी विचित्र बात है कि लोग मुसलमान और ईसाई तो बन जाते हैं लेकिन वे अपनी जात नहीं भूल पाते हैं। इसे मेरे कुछ पाकिस्तानी मित्र 'हिंदुआना हरकत' कहते रहे हैं। भारत के इस जातिवाद के आगे इस्लाम और ईसाइयत भी पस्त है। लेकिन मैं अपने पाकिस्तानी मित्रों से पूछता रहता हूं कि सब धर्मों के प्रति सहनशीलता की यह 'हिंदुआना आदत' सभी मजहबी लोग क्या कभी अपने में पैदा कर पाएंगे

बढ़ती जनसख्या, समय की माँग

नकीबुल हक

भारत का फर्टिलिटी रेट 1992 से 1993 में 3.4 बच्चों का था, जो कि आज 2.2 पर आ गया है। अनुमान है 2025 में यह गिरकर 1.93 हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पश्चिम देश के कल्चर से प्रभावित होकर , महात्वाकांक्षी मध्यम वर्गीय लोग कम बच्चे चाहते हैं। अत्यधिक आबादी से दूर भारत अपर्याप्त फर्टिलिटी रेट के वैश्विक जाल मे फँसता जा रहा है। ज़्यादा जनसंख्या आज भारत के लिए विश्व गुरु बनने के लिए नितांत आवश्यक है।किसी भी राष्ट्र के विकास में जनसंख्या की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और सभी संसाधनों में सर्वाधिक शक्तिशाली एवं सबसे महत्वपूर्ण जो ताकत होती है वह मानव संसाधन की ही होती है। अर्थव्यवस्था की परिभाषा के अनुसार मानव शक्ति ही आर्थिक विकास को गति प्रदान करता है। श्रमिक अर्थात मानव शक्ति को संपत्ति का सृजक माना जाता है। श्रमिक उत्पादन का सक्रिय साधन है। जो प्रकृति प्रदत्त साधनों तथा अन्य निश्क्रिय साधनों जैसे पूँजी को सक्रिय बनाता है और विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। मनुष्य उत्पादक के साथ-साथ उपभोक्ता भी होता है। अतः जनसंख्या दूसरे उत्पादक कार्यों के विस्तार तथा उद्योगों की बनी चीजों के लिए गैर बाजार मांग का सृजन करता है। इस तरह मानव शक्ति साधनों के प्रयोग एवं उद्योगों के अलावा गैर कृषि क्षेत्र में बनी वस्तुओं के लिए भी बाजार उपलब्ध कराता है और श्रमिकों की आपूर्ति द्वारा देश की विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। भारत कामकाजी उम्र के कम लोगों और बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोगों को महंगी चिकित्सा देखभाल की जरूरत वाले दौर की ओर बढ़ रहा है। आज विश्व पटल पर भारत की अच्छी छ्बी इसके कामकाजी उम्र के लोगों की ज़्यादा संख्या, कम संख्या मे बुजुर्ग लोगों को महंगी चिकित्सा देखभाल से बनी हुई हैं जबकि ताइवान 1.07 , दक्षिण कोरिया में 1.09, सिंगापुर में 1.15 जापान में 1.38, जर्मनी में 1.48, यूएस में 1.84 और यूके में 1.86 फर्टिलिटी रेट के वजह से भयंकर रूप से, कम कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या, अधिक संख्या मे बुजुर्ग लोगों को महंगी चिकित्सा देखभाल से जूझ रहे है। चीन ने भी वन चाइल्ड वाली पॉलिसी के नाकामी से जख्म खाने के बाद, एक नही बल्कि कई बच्चो के लिए नियम बना दिए है ताकि कम कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या, अधिक संख्या मे बुजुर्ग लोगों को महंगी चिकित्सा देखभाल से देश को निजात मिल सके। चीन मे शुरू से ही मुस्लिम समेत अन्य अल्पसंख्यक लोगो को अनलिमिटेड बच्चे रखने की छूट थी और है और यहा तक कई गैर-मुस्लिम क़बैयली को भी यह छूट हासिल है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एडविंड कैनन के अनुसार जो मनुष्य जन्म लेता है वो अपने मुंह और पेट के साथ-साथ काम करने के लिए दो हाथ भी लाता है, जिससे अधिक श्रमशक्ति के प्रयोग द्वारा कृषि और उद्योग की उत्पति बढ़ाई जा सकती है और इसे भारतीय युवा पीढ़ी सच साबित कर रही है। गुणात्मक एवं प्रतिभा संपन्न युवाओं का यह वर्ग भारत को विश्व का सबसे बड़ा मानव संसाधन निर्यातक एवं रोजगार आयातक दोनों ही बना रहा है। यह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय सेवा कारोबार के 37 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल कर लेगा जो अर्थव्यवस्था के मामले में भारत को चीन से आगे ले जा सकता है। यही कारण है कि आबादी के लिए भारत को कोसने वाले विश्व को आज उसकी युवा क्षमता से जलन हो रही है। आज अपने देश मे उल्टी गंगा बह रही है जब पूरा विश्व अपने यहा जनसंख्या बढ़ाने के लिए , बच्चे की मुफ्त देखभाल, लंबी मैटर्निटी और पैटर्निटी लीव, मुफ्त चाइल्ड केयर हेल्थ और ऐसे ही मिलते जुलते लाभ और सुविधाएं मुहैया करा रहे जिस से जनसंख्या बढ़े, फिर भी उनकी फर्टिलिटी गिर रही है। पूरा विश्व अपने यहा , कई देशो से लोगो को बुला कर अपने यहा दनादन बसा रहे है ताकि उनके यहा टॅलेंट की कमी ना हो, इसके लिए वीज़ा समेत, ग्रीन कार्ड, पी आर (स्थाई निवास) और यहा तक की देश के नागरिकता भी दे रहे है और इस तरह उनकी एकॉनमी मे चार चाँद लगती जा रही है। यू एस , यू के, यूरोपेन कौंट्रीज़ , सिंगपुर, कनाडा ऑस्ट्रेयिलिया जैसे विकसित देश भी यह प्रोग्राम चालू रखे है और इस तरह कंप्यूटर से लेकर अंतरिक्ष तक आगे आगे है और एक हम लोग है जिस ह्यूमन रीसोर्स के सहारे आगे बढ़ रहे है उसी को श्राप मान बैठे है और चिंता यही दिन रात है कैसे इस ह्यूमन रीसोर्स को कम से कम कर दिया जाए। हम लोगो के देश मे, सरकारे जनता से देश में बेरोजगारी , गरीबी , भुखमरी , कुपोषण , अपराध , अशिक्षा जैसी समस्याएं को हल करने के वादा के साथ आती है मगर जब वादा के बारे मे पूछा जाता है तो इधर उधर की बाते करने लगते है और एक रटे रटाये बहाना जो हर फेल सरकार देती है कि अगर जनसंख्या ज्यादा नही होती तो सब समस्या हल कर देते। लेकिन क्या नेता जी जब इतने बड़े बड़े जुमला बोल कर चुनाव मे लोगो को जब फुसला रहे थे तो क्या जुमला बोलते वक़्त जनसंख्या के बारे मे क्यो चुप थे। उस समय क्यो नही बोले कि जनसंख्या के वजह से हमारे सारे वादा एक चुनावी जुमला ही सिर्फ रह जायेगा।

यदि मनुष्य एक मात्र ऐसी प्रजाति है जो धन पैदा कर सकती है, तो इसकी अधिक संख्या गरीबी का कारण कैसे हो सकती है सच क्या है सच यह है कि नक्शे पर अंकित प्रत्येक बिंदु, जो किसी शहर या कस्बे को प्रदर्शित करता है और घनी आबादी वाला है, अन्य स्थानों (यथा गांव आदि जो नक्शे पर नहीं दिखते) की अपेक्षा समृद्धि है। भीड़ भरी दिल्ली में खाली पड़े झुमरी तलैया के मुकाबले कहीं ज्यादा लखपति व करोड़पति, ज्यादा मोबाइल फोन या बड़ी कारें और तरण ताल हैं। स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठता है - ऐसा क्यों भीड़ भरे, ज्यादा जनसंख्या वाले शहर समृद्ध हैं - क्योंकि वहां श्रम का विभाजन ज्यादा होता है। यह एक शाश्वत प्रक्रिया है- केवल दिल्ली या मुंबई ही नहीं वरन् लंदन, टोकियो, न्यूयार्क एवं पेरिस आदि सभी घनी जनसंख्या युक्त एवं समृद्ध हैं।

महामारी का फंदा तोड़ने में जुटे हैं ये टीचर

मानस प्रतिम गोहाई

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रहते हैं रुद्रसेन सिंह। उनका स्कूल पिछले सालभर से बंद है। ऑनलाइन क्लास भी नहीं चल रही। रुद्रसेन का कहना है, 'ऑनलाइन क्लास चले भी तो हम पढ़ नहीं सकते। बेसिक फोन से ऑनलाइन पढ़ाई कैसे होगी? किसी के घर में एक एंड्रॉयड फोन है भी, तो उसी घर में तीन-चार बच्चे भी तो हैं। एक से सब कैसे पढ़ सकते हैं? रुद्रसेन के पास फोन नहीं है। उनसे यह बातचीत भी उनके ही गांव के एक दूसरे व्यक्ति के फोन से हुई। रुद्रसेन ने बताया कि उनके गांव में सैकड़ों ऐसे बच्चे हैं, जिनके पास फोन नहीं है। कहा, 'सरजी और मैडमजी लोगों को भी पता नहीं है कि कंप्यूटर कैसे चलाया जाता है।' यानी कई शिक्षकों को ऑनलाइन क्लास लेने का तरीका नहीं पता। कोविड महामारी के बीच लॉकडाउन के चलते स्कूल बंद हो गए। उसके बाद से देश में लाखों बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए जूझना पड़ रहा है। कई बच्चे तो इंतजार करते हैं कि उनके मां-बाप काम से वापस लौटें तो फोन पर वह देखें कि स्कूल से क्या चीज वट्सऐप की गई। कुछ बच्चे पड़ोसियों से स्मार्टफोन देने की गुहार लगाते हैं। आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले में जिला परिषद हाई स्कूल के सेकेंडरी सेक्शन में हिंदी पढ़ाते हैं सत्यनारायण शास्त्री। उनका कहना है कि उनके 5-6 फीसदी छात्रों के पास ही ऑनलाइन अटेंड करने की सुविधा है। यह सब सरकार की जानकारी में भी है। पिछले महीने ही शिक्षा मंत्रालय ने संसद की एक समिति के सामने कबूल किया कि छात्रों को डिजिटल डिवाइसेज की तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्रालय ने बताया कि उत्तर प्रदेश और झारखंड में करीब 55 लाख बच्चे स्कूलों से बाहर हैं। राजस्थान में ऐसे बच्चों की संख्या एक लाख 80 हजार है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर में लगभग 70 फीसदी बच्चों के पास ऑनलाइन क्लास करने की सुविधा नहीं है। यही हाल दूसरे राज्यों में भी है।

बिहार में 1 करोड़ 40 लाख छात्रों के पास ऑनलाइन पढ़ाई का इंतजाम नहीं है। झारखंड में आंकड़ा साढ़े 32 लाख और कर्नाटक में लगभग 31 लाख का है। असम में ऐसे 31 लाख छात्र हैं तो ओडिशा में 15 लाख और हरियाणा में 10 लाख। ओडिशा में सुंदरगढ़ जिले के लेहंड़ा गांव में एक सरकारी स्कूल है। वहां पढ़ाने वाले अनिल कुमार प्रधान बताते हैं कि कई घरों में स्मार्टफोन तो है, लेकिन इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। प्रधान बताते हैं, 'इसे देखते हुए हम हफ्ते में एक बार बच्चों के घर जाते हैं ताकि उन्हें कुछ समझा सकें और यह भी देख सकें कि टीचरों या स्कूल से ये बच्चे जब बिल्कुल ही कट जाते हैं, तो कैसे पढ़ते हैं। ईस्ट गोदावरी जिले में हिंदी पढ़ाने वाले शास्त्री ने बताया कि स्कूली पढ़ाई करने वाले बच्चों की माताओं के खाते में राज्य सरकार ने 15 हजार रुपये जमा कराए थे, लेकिन कुछ ही परिवारों ने इस पैसे से स्मार्टफोन खरीदे। शास्त्री बताते हैं, 'सरकार ने कहा था कि या तो 15 हजार रुपये ले लो, या लैपटॉप ले लो। अधिकतर परिवारों ने पैसे लेना पसंद किया था। लेकिन उनमें से ज्यादातर ने वह पैसा दूसरी जरूरी चीजों पर खर्च कर दिया। कइयों के पास तो खाने-पीने का ठीक इंतजाम भी नहीं था। शिक्षाविद और ŉŕ के चेयरमैन रह चुके अशोक गांगुली ने कहा कि 15 महीनों से स्कूलों के बंद रहने से पढ़ाई पर तो असर पड़ा ही है, देश में डिजिटल डिवाइड से भी परदा हट गया। वह कहते हैं कि बच्चों को एशए के जरिए कई तरह की चीजों से जोड़ा जा सकता है। गांगुली कहते हैं, 'गांवों और कस्बाई इलाकों में बच्चों और उनके मां-बाप को हफ्ते में एक बार स्कूल बुलाया जा सकता है।' शिक्षाविद मीता सेनगुप्ता का कहना है कि ऑनलाइन क्लास न कर पाने वाले कई बच्चे अब हो सकता है कि कभी स्कूल न आएं। ऐसे में उनके लिए स्कूल वापसी का कार्यक्रम चलाना होगा।

जो भी दूरी थी संघ और बीजेपी में, मिट रही है

नीलम महाजन सिंह

अगले साल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। इनमें से केवल पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। शेष छह राज्यों में बीजेपी की। इन राज्यों में बीजेपी पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव बना हुआ है। उधर, कोरोना महामारी के चलते पिछले डेढ़ साल में देश की आर्थिक हालत खराब बनी हुई है, बेरोजगारी बढ़ रही है और सरकार के आर्थिक पैकेजों का असर भी जमीन पर नहीं दिखा है। उत्तर प्रदेश में चुनावी तैयारी के नाम पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं की ताबड़तोड़ बैठकें हुईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाने की हवा चली। मोदी के कथित चहेते पूर्व आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार शर्मा को योगी सरकार में सेट करने को लेकर खींचतान भी हुई।

बीजेपी को पता है कि अगर अगले साल उत्तर प्रदेश में उसकी सरकार नहीं बनी तो केंद्र में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की राह भी कठिन हो जाएगी। ऐसे में बीजेपी उत्तर प्रदेश को लेकर संघ की शरण में गई है। यूं तो बीजेपी के पीछे संघ की शक्ति पार्टी की स्थापना के वक्त से ही है, पर पार्टी ने इसे कभी खुल कर स्वीकारा नहीं। लेकिन हाल के वर्षों में बीजेपी और संघ के बीच की झीनी परत तेजी से दरकी है। सरकार में अधिकांश राजनीतिक और अहम प्रशासनिक नियुक्तियां संघ की हामी के बाद ही हो रही हैं। जेपी नड्डा को बीजेपी अध्यक्ष बनाए जाने पर भी संघ की सहमति थी।

जब राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे, तब मैंने दूरदर्शन के लिए तत्कालीन सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह उर्फ 'रज्जू भैया' का साक्षात्कार किया था। उन्होंने बाद में मेरा परिचय केएस सुदर्शन से करवाया। सुदर्शन जी के जरिये मैंने संघ को समझा। लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, केदारनाथ साहनी का संघ से करीबी रिश्ता रहा। बीजेपी की सफलता में संघ ने शुरू से सार्थक भूमिका निभाई। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला सहित राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू संघ के पसंदीदा हैं। वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और गृह मंत्री के चुनाव में भी संघ की अहम भूमिका रही है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल और डॉ. इंद्रेश कुमार अभी संघ और सरकार में समन्वय की भूमिका निभा रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि इससे पहले बीजेपी के केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं ने संघ से बातचीत नहीं की या नीतिगत मुद्दों पर उनसे सलाह-मशविरा नहीं किया, लेकिन ऐसा पहले कुछ नेताओं के स्तर पर ही होता था। वरिष्ठ बीजेपी नेता संघ की बैठकों में भाग लेते रहे हैं और वहां होने वाली चर्चाओं को सरकार के कार्यक्रमों में समन्वित करने का प्रयास किया जाता रहा है। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी संघ के नेताओं से मिलते थे। उन्होंने अपनी सरकार में उन लोगों को प्रधानता दी, जो संघ पृष्ठभूमि के नहीं थे। जैसे कि ब्रजेश मिश्रा, जसवंत सिंह या यशवंत सिन्हा। इससे आरएसएस खुश नहीं था। बीजेपी जब 1998 में पहली बार केंद्र में सत्ता में आई, तो जसवंत सिंह को वित्त मंत्री बनाने के वाजपेयी के फैसले को शपथ ग्रहण के कुछ घंटे पहले निरस्त कर दिया गया था। यह संघ के दबाव में किया गया। एनडीए सरकार में लालकृष्ण आडवाणी को उप-प्रधानमंत्री के रूप में, संघ के दबाव में ही पदोनन्त किया गया। हालांकि बाद में पाकिस्तान यात्रा के दौरान जब आडवाणी ने मोहम्मद अली जिनन की प्रशंसा की तो संघ ने उन्हें समर्थन नहीं दिया। संघ की तरफ से उन पर इतना दबाव पड़ा कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा। जाहिर है कि संघ और बीजेपी के बीच अटूट रिश्ता है। बीजेपी और इसके पूर्व अवतार, भारतीय जनसंघ की कल्पना आरएसएस के राजनीतिक मोर्चे के रूप में हुई थी। वास्तव में जनता पार्टी में टूट, जनसंघ और आरएसएस की दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर ही हुई थी। पचास के दशक से ही जनसंघ या बीजेपी का संगठन सचिव आरएसएस के कार्यकर्त्ता रहे हैं। संघ बीजेपी के संरक्षक और सलाहकार की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ की भावना के प्रति सचेत हैं और संघ की ओर से भी उनकी कई पहल को समर्थन हासिल है। इस संदर्भ में पाकिस्तान के साथ हाल में सीजफायर और सीमा पर शांति बहाली की कोशिशों का जिक्र किया जा सकता है। काफी समय से जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान सीमापार से गोलाबारी करता आया था, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

लेकिन कुछ अरसा पहले दोनों देशों ने सीमा पर शांति बहाली का ऐलान किया। यह तय हुआ कि गोलाबारी बंद की जाएगी। भारत और पाकिस्तान की यह पहल सफल रही है। आरएसएस ने पाकिस्तान को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार के इसकदम को सहमति दी है। अब खुलेआम पार्टी और संघ का मिश्रण हो चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के महत्वपूर्ण पदों पर संघ के पसंदीदा लोगों को नियुक्त किया जाता है। 'सरकार क्या कर रही है और क्या नहीं कर रही' के मुद्दे पर संघ प्रमुख की अध्यक्षता में कुछ साल पहले तीन दिनों तक मूल्यांकन बैठक हुई थी, जिसमें संघ के आला नेताओं के साथ लगभग पूरा मंत्रिमंडल शामिल हुआ था। अब व्यक्तिगत स्तर पर संघ नेतृत्व का मार्गदर्शन हासिल करने या फिर प्रधानमंत्री द्वारा संघ से मार्गदर्शन लेने की बात को आपत्तिनजक नहीं समझा जाता। आगे भी बीजेपी का कवच संघ बना रहेगा। देश में कांग्रेस की राजनीतिक ताकत बेशक कमजोर है, लेकिन बीजेपी के सामने सियासी चुनौतियां आती रहेंगी। अगले साल जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वह उसके लिए बड़ा इम्तहान होगा। ऐसे में बीजेपी के लिए संघम् शरणम् गच्छामि की स्थिति बनी रहेगी।